SEE MORE JESUS · WANTTOSEEMORE.COM

प्रेरितों का उत्तर — स्ट्रॉन्स नंबरों के साथ एक बाइबल अध्ययन

प्रश्न और उत्तर — विश्वास करो, मन फिराओ, बपतिस्मा लो, पवित्र आत्मा प्राप्त करो

मौलिक बाइबिल सिद्धांत — यीशु मसीह का सुसमाचार

सरल शब्दों में

> *परमेश्वर ने आपको बनाया, और परमेश्वर आपसे प्रेम करता है। हर व्यक्ति ने गलत किया है, और गलती हमें परमेश्वर से अलग कर देती है। परमेश्वर ने अपने पुत्र, यीशु मसीह को भेजा। यीशु ने कभी गलत नहीं किया, परन्तु वह हमारी गलतियों का दण्ड चुकाने के लिये मरा। तब परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, और वह अब जीवित है। अब आपको यह करना है। इस सुसमाचार पर अपने सारे मन से विश्वास करें। अपने गलत मार्गों से फिरें — बाइबल इसे पश्चाताप कहती है। बपतिस्मा लें — यीशु मसीह के नाम में जल के नीचे जाएं — और परमेश्वर आपके पापों को क्षमा करेगा। परमेश्वर आपको अपना पवित्र आत्मा देगा जो आपके भीतर वास करेगा। फिर अपने जीवन के अन्त तक, अन्य विश्वासियों के साथ मिलकर, हर दिन यीशु के पीछे चलते रहें। वह आपको सम्भाले रखेगा, और वह आपको वह जीवन देगा जो कभी समाप्त नहीं होता।*

उद्घाटन शब्द

> *मित्र, सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न जो कोई भी पूछ सकता है, वह उस दिन पूछा गया जब कलीसिया का जन्म हुआ। जिन लोगों ने सत्य सुना, वे हृदय में बिंध गए, और वे पुकार उठे, हम क्या करें? उन्हें केवल कुछ अनुभव करने, या एक प्रार्थना कहकर पहले जैसा जीवन जीते रहने के लिए नहीं कहा गया। उन्हें एक उत्तर दिया गया जिसमें एक द्वार था, और उस द्वार में पार करने के लिए एक कदम था। विश्वास करो — अपने पूरे हृदय से — कि यीशु मसीह तुम्हारे पापों के लिए मरे और मृतकों में से जी उठे, क्योंकि विश्वास परमेश्वर के वचन को सुनने से आता है। मन फिराओ — अपने पूरे हृदय से अपने पाप से मुँह मोड़ो। यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लो अपने पापों की क्षमा के लिए — उसके साथ गाड़े जाकर, और नए जीवन में जीने के लिए उठाए जाकर। पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करो — क्योंकि जिसके पास मसीह का आत्मा नहीं, वह उसका नहीं है। फिर द्वार पर ही मत ठहरो: प्रेरित उद्धार पाए हुओं को यह भी सिखाते हैं कि वे उसके साथ बने रहें, और अंत तक धीरज धरें — क्योंकि उद्धार सत्य में आरम्भ होता है, सत्य में बना रहता है, और सत्य में समाप्त होता है। प्रार्थना एक अच्छी शुरुआत है, और तुम इसी घड़ी उसे कर सकते हो; परन्तु प्रेरितों ने जो सब कुछ उत्तर दिया, उसे सुनो, और उसे करो, तो तुम उद्धार पाओगे। यही मार्ग है भीतर आने का। इसे स्वयं अध्ययन करो, और इस पर चलो।*

इस अध्ययन में उत्तर दिए गए तीन प्रश्न:

1. जब लोग हृदय में छिद गए और चिल्ला उठे, "हम क्या करें?" तो प्रेरितों ने क्या उत्तर दिया?
2. हृदय से विश्वास करने और मुँह से अंगीकार करने का क्या अर्थ है, और यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा क्या करता है?
3. मसीह ने हमारे पापों को धोने के लिए क्या सहा, और पवित्र आत्मा का वरदान किसे दिए जाने की प्रतिज्ञा है?

I. प्रश्न — हे भाइयों और पुरुषों, हम क्या करें?

प्रेरितों के काम 2:36 “अतः अब इस्राएल का सारा घराना निश्चय जान ले कि परमेश्वर ने उसी यीशु को जिसे तुम ने क्रूस पर चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया और मसीह भी।” (37) तब सुननेवालों के हृदय छिद गए, और वे पतरस और अन्य प्रेरितों से पूछने लगे, “हे भाइयों, हम क्या करें?”

उनके हृदय छिद गए --> हे भाइयो, हम क्या करें?

II. आधार — मसीह मर गया, और उसका लोहू पाप से धोता है

A. रोमियों 5:8 परन्तु परमेश्वर हम पर अपने प्रेम की भलाई इस रीति से प्रगट करता है, कि जब हम पापी ही थे तभी मसीह हमारे लिये मरा।

जब हम पापी ही थे, तब मसीह हमारे लिये मरा।

B. प्रकाशितवाक्य 1:5 और यीशु मसीह की ओर से, जो विश्वासयोग्य साक्षी और मरे हुओं में से जी उठनेवालों में पहलौठा, और पृथ्वी के राजाओं का अधिपति है, तुम्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे। जो हम से प्रेम रखता है, और जिसने अपने लहू के द्वारा हमें पापों से छुड़ाया है। (कुलु. 1:8)
[G3068 louo ⚑]

विश्वासयोग्य साक्षी + मरे हुओं में से पहलौठा --> जिसने हमसे प्रेम किया --> और अपने ही लहू से हमें हमारे पापों से धो डाला।

C. इफिसियों 1:7 हमको मसीह में उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् अपराधों की क्षमा, परमेश्वर के उस अनुग्रह के धन के अनुसार मिला है,

हमको मसीह में उसके लहू के द्वारा छुटकारा = अर्थात् अपराधों की क्षमा.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — छुटकारा और पापों की क्षमा उसमें हैं। यही कारण है कि हम उसमें बपतिस्मा लेते हैं: वह लहू जो हमें धोता है, और वह क्षमा जो उसके द्वारा प्राप्त होती है, उसी एक में पाई जाती है जिसमें हम बपतिस्मा लेते हैं।)

D. यशायाह 52:14 जैसे बहुत से लोग उसे देखकर चकित हुए (क्योंकि उसका रूप यहाँ तक बिगड़ा हुआ था कि मनुष्य का सा न जान पड़ता था और उसकी सुन्दरता भी आदमियों की सी न रह गई थी), (भज. 22:6,7, यशा. 53:2,3)

उसका रूप ऐसा बिगड़ गया था कि वह मनुष्य सा नहीं दिखता था -- और उसकी सूरत मनुष्यों की सन्तानों से अधिक बिगड़ी हुई थी।

E. यशायाह 50:6 मैंने मारनेवालों को अपनी पीठ और गलमोछ नोचनेवालों की ओर अपने गाल किए; अपमानित होने और उनके थूकने से मैंने मुँह न छिपाया। (मत्ती 26:67, इब्रा. 12:2)

मैंने अपनी पीठ पीटनेवालों को + अपने गाल बाल नोचनेवालों को दी --> मैंने अपमान और थूकनेवालों से अपना मुंह न छिपाया।

F. भजन संहिता 22:14 मैं जल के समान बह गया, और मेरी सब हड्डियों के जोड़ उखड़ गए: मेरा हृदय मोम हो गया, वह मेरी देह के भीतर पिघल गया। (15) मेरा बल टूट गया, मैं ठीकरा हो गया; और मेरी जीभ मेरे तालू से चिपक गई; और तू मुझे मारकर मिट्टी में मिला देता है। (नीति. 17:22) (16) क्योंकि कुत्तों ने मुझे घेर लिया है; कुकर्मियों की मण्डली मेरे चारों ओर मुझे घेरे हुए है; वह मेरे हाथ और मेरे पैर छेदते हैं। (मत्ती 27:35, मर. 15:29, लूका 23:33) (17) मैं अपनी सब हड्डियाँ गिन सकता हूँ; वे मुझे देखते और निहारते हैं; (18) वे मेरे वस्त्र आपस में बाँटते हैं, और मेरे पहरावे पर चिट्ठी डालते हैं। (मत्ती 27:35, लूका 23:34, यहू. 19:24,25)

मेरी सब हड्डियाँ उखड़ गई हैं --> उन्होंने मेरे हाथों और मेरे पैरों को बेधा है --> वे मेरे वस्त्र बांटते हैं + मेरे वस्त्रों पर चिट्ठी डालते हैं।

G. यशायाह 53:4 निश्चय उसने हमारे रोगों को सह लिया और हमारे ही दुःखों को उठा लिया; तो भी हमने उसे परमेश्वर का मारा-कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। (मत्ती 8:17, 1 पत. 2:24) **[H7495 rapha ⚑]** (5) परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के कारण कुचला गया; हमारी ही शान्ति के लिये उस पर ताड़ना पड़ी कि उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो जाएँ। (रोम. 4:25, 1 पत. 2:24)

वह हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया + हमारे अधर्म के कारण कुचला गया --> उसके कोड़ों से हम चंगे हुए।

H. मत्ती 27:28 और उसके कपड़े उतारकर उसे लाल चोगा पहनाया। (29) और काँटों का मुकुट गूँथकर उसके सिर पर रखा; और उसके दाहिने हाथ में सरकण्डा दिया और उसके आगे घुटने टेककर उसे उपहास में उड़ाने लगे, “हे यहूदियों के राजा नमस्कार!” (30) और उस पर थूका; और वही सरकण्डा लेकर उसके सिर पर मारने लगे।

उसके सिर पर काँटों का मुकुट --> उन्होंने उस पर थूका + उसके सिर पर मारा।

I. लूका 22:44 और वह अत्यन्त संकट में व्याकुल होकर और भी हार्दिक वेदना से प्रार्थना करने लगा; और उसका पसीना मानो लहू की बड़ी-बड़ी बूँदों के समान भूमि पर गिर रहा था।

और उसका पसीना मानो लहू की बड़ी-बड़ी बूँदों के समान भूमि पर गिर रहा था.

J. यूहन्ना 19:34 परन्तु सिपाहियों में से एक ने बरछे से उसका पंजर बेधा और उसमें से तुरन्त लहू और पानी निकला।

एक भाले ने उसका पंजर बेधा --> और तुरन्त लोहू और जल बह निकला।

(मेरे निजी विचार — इसे धीरे-धीरे पढ़ें, और जानें कि यह आपके लिए था। जिस मुख ने तारों को बनाया, वह पहचान से परे विकृत कर दिया गया। जिस पीठ ने सारी सृष्टि को थामा है, वह कोड़े से चीर दी गई। जिन हाथों ने कोढ़ी को चंगा किया, उन्हें लोहे से बींध दिया गया। उसकी हड्डियाँ गिनने के लिए उभर आईं। एक भी कील ठोंकी जाने से पहले पसीना लहू के समान बहा। वह पराजित नहीं किया गया था: उसने अपनी पीठ स्वेच्छा से दी; उसने अपना मुख नहीं छिपाया। हर कोड़ा तुम्हारा पाप था जो उस पर रखा गया, हर घाव तुम्हारा अपराध था, हर बूँद तुम्हारा ऋण थी। और जब सब पूरा हो गया, तो उसकी कोख से लहू और पानी बह निकला — लहू तुम्हें धोने के लिए, और पानी तुम्हें उसमें गाड़ने के लिए। इसलिए जब तुमसे कहा जाता है कि पश्चाताप करो और बपतिस्मा लो, तो तुमसे कोई कठिन काम करने को नहीं कहा जा रहा। तुमसे कहा जा रहा है कि घुटनों के बल बैठकर वह ग्रहण करो, जिसकी कीमत उसने यह सब चुकाकर दी।)

III. प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास करो — और अपने मुख से उसका अंगीकार करो

A. उत्पत्ति 15:6 उसने यहोवा पर विश्वास किया; और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धार्मिकता गिना। (रोम. 4:3) **[H539 aman ⚑]**

उसने यहोवा पर विश्वास किया --> और यहोवा ने इस बात को उसके लेखे में धार्मिकता गिना। (रोम. 4:3.

B. रोमियों 4:3 पवित्रशास्त्र क्या कहता है? यह कि "अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया, और यह उसके लिये धार्मिकता गिना गया।"

अब्राहम ने परमेश्वर की प्रतीति की --> और यह उसके लिये धार्मिकता ठहरी।

C. गिनती 21:8 यहोवा ने मूसा से कहा, "एक तेज विषवाले साँप की प्रतिमा बनवाकर खम्भे पर लटका; तब जो साँप से डसा हुआ उसको देख ले वह जीवित बचेगा।" (9) अतः मूसा ने पीतल का एक साँप बनवाकर खम्भे पर लटकाया; तब साँप के डसे हुओं में से जिस-जिसने उस पीतल के साँप की ओर देखा वह जीवित बच गया। (यूह. 3:14)

जो कोई डसा जाने पर उसकी ओर दृष्टि करेगा --> वह जीवित रहेगा।

D. यूहन्ना 3:14 और जिस तरह से मूसा ने जंगल में साँप को ऊँचे पर चढ़ाया, उसी रीति से अवश्य है कि मनुष्य का पुत्र भी ऊँचे पर चढ़ाया जाए। (यूह. 8:28) **[G4100 pisteuo ⚑]** (15) ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे वह अनन्त जीवन पाए। (16) "क्योंकि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम रखा कि उसने अपना एकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

जिस प्रकार मूसा ने सर्प को ऊँचा उठाया --> उसी प्रकार मनुष्य के पुत्र का भी ऊँचा उठाया जाना अवश्य है --> कि जो कोई उस पर विश्वास करे, वह नाश न हो, परन्तु अनन्त जीवन पाए।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दोनों को साथ रखकर देखें और इन्हें सिखाने दें। जंगल में, मरते हुए लोगों से यह नहीं कहा गया था कि वे उपचार अर्जित करें। उनसे कहा गया था कि वे विश्वास से उस वस्तु को देखें जिसे परमेश्वर ने खंभे पर ऊंचा किया था — और वे जीवित रहे। यीशु कहते हैं कि वह खंभा उनके अपने क्रूस का चित्र था। विश्वास करना ही देखना है। किसी व्यक्ति के पश्चाताप करने या किसी बात का पालन करने से पहले, उसे सबसे पहले अपने सम्पूर्ण हृदय से उस ऊंचे किए गए व्यक्ति की ओर देखना चाहिए, और उस पर भरोसा करना चाहिए। और अब्राहम को देखिए: उसने विश्वास किया, और परमेश्वर ने इसे उसके लिए धार्मिकता गिना — व्यवस्था से पहले, किसी भी विधि से पहले। विश्वास ही वह स्थान है जहां से सब कुछ आरंभ होता है। परन्तु देखिए कि अगली आयतों में विश्वास कितनी शीघ्रता से आज्ञाकारिता की ओर बढ़ता है — उसी रात, उसी घड़ी।)

E. रोमियों 10:8 परन्तु क्या कहती है? यह, कि "वचन तेरे निकट है, तेरे मुँह में और तेरे मन में है," यह वही विश्वास का वचन है, जो हम प्रचार करते हैं। **[G3670 homologeo ⚑]** (9) कि यदि तू अपने मुँह से यीशु को प्रभु जानकर अंगीकार करे और अपने मन से विश्वास करे, कि परमेश्वर ने उसे मरे हुओं में से जिलाया, तो तू निश्चय उद्धार पाएगा। (प्रेरि. 16:31) (10) क्योंकि धार्मिकता के लिये मन से विश्वास किया जाता है, और उद्धार के लिये मुँह से अंगीकार किया जाता है।

यदि तू अपने मुँह से प्रभु यीशु का अंगीकार करे + और अपने हृदय में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उसे मुर्दों में से जिलाया --> तो तू उद्धार पाएगा।

F. रोमियों 10:13 क्योंकि "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।" (प्रेरि. 2:21, योए. 2:32)

क्योंकि "जो कोई प्रभु का नाम लेगा, वह उद्धार पाएगा।" (प्रेरि --> 2:21, योए. 2:32.

G. रोमियों 10:17 इसलिए विश्वास सुनने से, और सुनना मसीह के वचन से होता है।

इसलिए विश्वास सुनने से --> और सुनना मसीह के वचन से होता है.

H. प्रेरितों के काम 16:29 तब वह दिया मँगवाकर भीतर आया और काँपता हुआ पौलुस और सीलास के आगे गिरा; **[G4100 pisteuo ⚑]** (30) और उन्हें बाहर लाकर कहा, "हे सज्जनों, उद्धार पाने के लिये मैं क्या करूँ?" (31) उन्होंने कहा, "प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू और तेरा घराना उद्धार पाएगा।" (32) और उन्होंने उसको और उसके सारे घर के लोगों को प्रभु का वचन सुनाया। (33) और रात को उसी घड़ी उसने उन्हें ले जाकर उनके घाव धोए, और उसने अपने सब लोगों समेत तुरन्त बपतिस्मा लिया।

महोदय, उद्धार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिए? --> प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर --> और उसने और उसके सारे घराने ने तुरन्त बपतिस्मा लिया।

(मेरे निजी विचार — पूरी बाइबल में केवल दो बार यह ठीक यही प्रश्न ऊँची आवाज़ में पूछा गया है: यहाँ फिलिप्पी की जेल में, और पिन्तेकुस्त के दिन प्रेरितों के काम अध्याय 2 में। दोनों उत्तरों को साथ-साथ रखकर देखें। पिन्तेकुस्त की भीड़ पहले ही सुन चुकी थी और विश्वास कर चुकी थी — इसीलिए वे हृदय में बिंध गए थे — इसलिए पतरस ने अगले चरण से आरम्भ किया: मन फिराओ, और बपतिस्मा लो। दरोगा अभी तक कुछ नहीं जानता था, इसलिए पौलुस ने पहले चरण से आरम्भ किया: विश्वास करो — और फिर उसे प्रभु का वचन सुनाया, और उसी रात की उसी घड़ी उस व्यक्ति ने बपतिस्मा लिया। दो आरम्भ, एक ही मार्ग। विश्वास करना बपतिस्मा का प्रतिद्वंद्वी नहीं है, और बपतिस्मा विश्वास करने का प्रतिद्वंद्वी नहीं है; विश्वास वह हृदय है जो आज्ञा मानता है, और उसी घड़ी में करना ही पर्याप्त समय है।)

I. इब्रानियों 11:6 और विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है, क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए, कि वह है; और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।

बिना विश्वास के उसे प्रसन्न करना अनहोना है --> परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है।

IV. उत्तर — मन फिराओ, बपतिस्मा लो, पवित्र आत्मा प्राप्त करो

प्रेरितों के काम 2:38 पतरस ने उनसे कहा, "मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने-अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। **[G859 aphesis ⚑] [G907 baptizo ⚑] [G3340 metanoeo ⚑]** (39) क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।" (योए. 2:32)

पश्चाताप करो + यीशु मसीह के नाम में पापों की क्षमा के लिए बपतिस्मा लो --> तुम पवित्र आत्मा का दान प्राप्त करोगे।

V. मन फिराओ

A. प्रेरितों के काम 3:19 इसलिए, मन फिराओ और लौट आओ कि तुम्हारे पाप मिटाएँ जाएँ, जिससे प्रभु के सम्मुख से विश्रान्ति के दिन आएँ।

पश्चाताप करो + मन फिराओ --> ताकि तुम्हारे पाप मिटाए जाएं।

B. लूका 13:3 मैं तुम से कहता हूँ, कि नहीं; परन्तु यदि तुम मन न फिराओगे तो तुम सब भी इसी रीति से नाश होंगे।

जब तक तुम मन न फिराओगे --> तुम सब भी इसी रीति नाश होगे।

C. 2 कुरिन्थियों 7:10 क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है; जिसका परिणाम उद्धार है और फिर उससे पछताना नहीं पड़ता: परन्तु सांसारिक शोक मृत्यु उत्पन्न करता है।

क्योंकि परमेश्वर-भक्ति का शोक ऐसा पश्चाताप उत्पन्न करता है --> परन्तु सांसारिक शोक मृत्यु उत्पन्न करता है.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह मत सोचिए कि यह कोई छोटा शब्द है, जो एक बार कहा गया और समाप्त हो गया। पश्चाताप करो, और ऐसे शब्द पूरी बाइबल में एक सौ बारह बार गूंजते हैं — पुराने नियम में छियालीस बार, और नए नियम में छियासठ बार। भविष्यद्वक्ताओं की पुकार फिरो, फिरो से लेकर, यूहन्ना की पुकार पश्चाताप करो तक, प्रभु स्वयं तक, प्रेरितों तक, और जी उठे हुए मसीह तक जो कलीसियाओं को लिख रहे हैं — एक ही पुकार उत्पत्ति से लेकर प्रकाशितवाक्य तक चलती है: फिरो। परमेश्वर ने लोगों को इसकी ओर बुलाना कभी एक बार भी बंद नहीं किया। और कोई भी इसे करना बंद नहीं कर सकता।)

VI. मसीह में बपतिस्मा लेकर पापों की क्षमा प्राप्त करो

A. प्रेरितों के काम 22:16 अब क्यों देर करता है? उठ, बपतिस्मा ले, और उसका नाम लेकर अपने पापों को धो डाल।' (योए. 2:32)
[G907 baptizo ⚑]

उठ, और बपतिस्मा ले, और अपने पापों को धो डाल --> प्रभु के नाम पर विश्वास करते हुए।

B. रोमियों 6:4 इसलिए उस मृत्यु का बपतिस्मा पाने से हम उसके साथ गाड़े गए, ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा के द्वारा मरे हुओं में से जिलाया गया, वैसे ही हम भी नये जीवन के अनुसार चाल चलें।

उसके साथ बपतिस्मा द्वारा मृत्यु में गाड़े गए --> वैसे ही हम भी नये जीवन में चाल चलें।

C. कुलुस्सियों 2:12 और उसी के साथ बपतिस्मा में गाड़े गए, और उसी में परमेश्वर की शक्ति पर विश्वास करके, जिसने उसको मरे हुओं में से जिलाया, उसके साथ जी भी उठे।

बपतिस्मा में उसके साथ गाड़े गए --> परमेश्वर की शक्ति के प्रभाव में विश्वास के द्वारा उसके साथ जिलाए गए।

D. 1 पतरस 3:21 और उसी पानी का दृष्टान्त भी, अर्थात् बपतिस्मा, यीशु मसीह के जी उठने के द्वारा, अब तुम्हें बचाता है; उससे शरीर के मैल को दूर करने का अर्थ नहीं है, परन्तु शुद्ध विवेक से परमेश्वर के वश में हो जाने का अर्थ है।

बपतिस्मा भी अब हमें बचाता है = परमेश्वर की ओर एक अच्छे विवेक का उत्तर।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यह जल नहीं है जो बचाता है। यह परमेश्वर के प्रति एक अच्छी अंतरात्मा का उत्तर है: बपतिस्मे की आज्ञाकारिता के द्वारा अंतरात्मा पर लगाया गया रक्त, और नए जीवन में उठाया गया व्यक्ति।)

2 राजाओं 5:10 तब एलीशा ने एक दूत से उसके पास यह कहला भेजा, "तू जाकर यरदन में सात बार डुबकी मार, तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा।" **[H2891 taher ⚑]**

तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा --> तब तेरा शरीर ज्यों का त्यों हो जाएगा, और तू शुद्ध होगा.

2 राजाओं 5:13 तब उसके सेवक पास आकर कहने लगे, "हे हमारे पिता यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई भारी काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? फिर जब वह कहता है, कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो कितना अधिक इसे मानना चाहिये।"

यदि भविष्यद्वक्ता तुझे कोई बड़ा काम करने की आज्ञा देता, तो क्या तू उसे न करता? --> तो अब जब उस ने तुझ से यह कहा, कि स्नान करके शुद्ध हो जा, तो क्यों न करे?

2 राजाओं 5:14 तब उसने परमेश्वर के भक्त के वचन के अनुसार यरदन को जाकर उसमें सात बार डुबकी मारी, और उसका शरीर छोटे लड़के का सा हो गया; और वह शुद्ध हो गया। (लूका 4:27)

उसने यरदन में सात बार डुबकी लगाई --> उसका शरीर फिर एक छोटे बालक के समान शुद्ध हो गया, और वह शुद्ध हो गया।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — यहाँ वही सच्चाई है जो बहुत पहले चित्रित की गई थी। नामान एक महान पुरुष था, और कोढ़ी था, और उसे एक छोटा सा काम करने के लिए कहा गया: यरदन में सात बार जाकर स्नान करना, और शुद्ध हो जाना। वह क्रोधित हुआ, और किसी बड़े प्रदर्शन की आशा कर रहा था, और सोचता था कि उसके अपने देश की नदियाँ इस्राएल के जल से बेहतर हैं — जैसे लोग आज भी इतने सरल आदेश पर ठोकर खाते हैं। परन्तु यह यरदन का जल नहीं था जिसने उसे चंगा किया; यह परमेश्वर के वचन का पालन करना था, उस जल में जिसे परमेश्वर ने नियुक्त किया था। वह उतरा और सात बार डुबकी लगाई, और उसकी चमड़ी एक छोटे बालक की चमड़ी के समान हो गई। इसी प्रकार एक व्यक्ति नए सिरे से जन्म लेता है: अपने किसी बड़े प्रयास से नहीं, परन्तु आज्ञापालन में नीचे जाकर, और एक नए बालक के रूप में ऊपर आकर, और शुद्ध होकर।)

E. मरकुस 16:16 जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले उसी का उद्धार होगा, परन्तु जो विश्वास न करेगा वह दोषी ठहराया जाएगा।
[G907 baptizo ⚑]

जो विश्वास करे और बपतिस्मा ले --> उद्धार पाएगा।

F. यूहन्ना 3:5 यीशु ने उत्तर दिया, "मैं तुझ से सच-सच कहता हूँ, जब तक कोई मनुष्य जल और आत्मा से न जन्मे तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता। **[G1080 gennao ⚑]**

जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे --> वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

G. गलातियों 3:27 और तुम में से जितनों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है उन्होंने मसीह को पहन लिया है। **[G907 baptizo ⚑]**

जितने लोगों ने मसीह में बपतिस्मा लिया है --> उन्होंने मसीह को पहन लिया है।

H. तीतुस 3:4 पर जब हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की भलाई, और मनुष्यों पर उसका प्रेम प्रकट हुआ (5) तो उसने हमारा उद्धार किया और यह धार्मिक कामों के कारण नहीं, जो हमने आप किए, पर अपनी दया के अनुसार, नये जन्म के स्नान, और पवित्र आत्मा के हमें नया बनाने के द्वारा हुआ।

हमारे उद्धारकर्ता परमेश्वर की दयालुता और प्रेम प्रगट हुआ --> धार्मिकता के कामों के द्वारा नहीं --> परन्तु अपनी दया के अनुसार उसने नए जन्म के स्नान के द्वारा हमारा उद्धार किया।

I. इफिसियों 2:8 क्योंकि विश्वास के द्वारा अनुग्रह ही से तुम्हारा उद्धार हुआ है, और यह तुम्हारी ओर से नहीं, वरन् परमेश्वर का दान है; **[G5485 charis ⚑]** (9) और न कर्मों के कारण, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे। (10) क्योंकि हम परमेश्वर की रचना हैं; और मसीह यीशु में उन भले कामों के लिये सृजे गए जिन्हें परमेश्वर ने पहले से हमारे करने के लिये तैयार किया।

अनुग्रह से तुम विश्वास के द्वारा उद्धार पाए हो = परमेश्वर का दान है --> कर्मों से नहीं, ऐसा न हो कि कोई घमण्ड करे --> हम उसकी बनाई हुई सृष्टि हैं, जो भले कामों के लिये मसीह यीशु में सृजे गए हैं।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — इन दोनों सत्यों को साथ लेकर चलिए, तो इनमें कोई टकराव नहीं है। अनुग्रह वरदान है; विश्वास उसे ग्रहण करता है; और बपतिस्मा कोई ऐसा कार्य नही है जो कुछ भी अर्जित करता हो, जैसे नामान ने नदी में डुबकी लगाकर अपना चंगा होना अर्जित नहीं किया था, या मरणासन्न लोगों ने पीतल के सर्प को देखकर अपना जीवन अर्जित नहीं किया था। परमेश्वर ने सब कुछ प्रदान किया; व्यक्ति केवल आज्ञा मानता है और ग्रहण करता है। जल से बाहर आने वाला मनुष्य किसी भी बात पर गर्व नहीं कर सकता — वह गाड़ा गया, और परमेश्वर ने उसे उठाया। यह ऊपर 1 पतरस 3:21 के विषय में कहा गया था, और यह यहाँ भी सत्य है: यह न तो जल है, और न ही यह हमारे अपने हाथों के कार्य हैं। यह अनुग्रह है, जो विश्वास की आज्ञाकारिता के द्वारा ग्रहण किया जाता है। और अगली ही आयत यह कहती है कि कार्य किस लिए हैं: उद्धार का आधार नहीं, बल्कि उसका फल — हम परमेश्वर की अपनी कारीगरी हैं, मसीह यीशु में नए बनाए गए ताकि हम उन अच्छे कार्यों में चलें जो उसने पहले से हमारे लिए तैयार किए थे। जो कोई आज्ञा का पालन करता है, उसने वरदान अर्जित नहीं किया है, और जो कोई इसे अर्जित करना कहता है, उसने आज्ञा को नहीं समझा है।)

J. 1 तीमुथियुस 1:13 मैं तो पहले निन्दा करनेवाला, और सतानेवाला, और अंधेर करनेवाला था; तो भी मुझ पर दया हुई, क्योंकि मैंने अविश्वास की दशा में बिन समझे बूझे ये काम किए थे।

एक निन्दक + एक सतानेवाला + अपमान करनेवाला --> परन्तु मुझ पर दया हुई।

(मेरे व्यक्तिगत विचार — देखिए इस आज्ञाकारिता से किसके पाप धोए गए थे। तरसुस के शाऊल ने मसीह के मार्ग को मृत्युपर्यंत सताया था। उसने पुरुषों और स्त्रियों को बंदी बनाया और उन्हें बंदीगृह में खींच लाया, वह एक निंदक और परमेश्वर के लोगों का सताने वाला था। प्रभु स्वयं मार्ग में उससे मिले, उसे भूमि पर गिरा दिया, और स्वर्ग से उससे बात की। और फिर भी, तीन दिन बाद, हनन्याह को यह कहने के लिए भेजा गया: उठ, और बपतिस्मा ले, और प्रभु का नाम लेकर अपने पापों को धो डाल। यदि दमिश्क के मार्ग की ज्योति ने शाऊल के पापों को नहीं धोया, परन्तु आज्ञाकारिता के जल ने उन्हें धो दिया, तो कोई भी यह न समझे कि उसके अपने पाप किसी आसान तरीके से दूर किए जा सकते हैं, जितना परमेश्वर ने सबसे बड़े पापी को भी दिया।)

VII. पवित्र आत्मा का उपहार प्राप्त करो

A. प्रेरितों के काम 19:5 यह सुनकर उन्होंने प्रभु यीशु के नाम का बपतिस्मा लिया। (6) और जब पौलुस ने उन पर हाथ रखे, तो उन पर पवित्र आत्मा उतरा, और वे भिन्न-भिन्न भाषा बोलने और भविष्यद्वाणी करने लगे।

प्रभु यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया गया --> पवित्र आत्मा उन पर उतरा।

B. रोमियों 8:9 परन्तु जबकि परमेश्वर का आत्मा तुम में बसता है, तो तुम शारीरिक दशा में नहीं, परन्तु आत्मिक दशा में हो। यदि किसी में मसीह का आत्मा नहीं तो वह उसका जन नहीं।

यदि किसी में मसीह की आत्मा नहीं है --> वह उसका नहीं है।

C. प्रेरितों के काम 2:39 क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर-दूर के लोगों के लिये भी है जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर अपने पास बुलाएगा।" (योए. 2:32)

यह प्रतिज्ञा तुम्हारे लिए + तुम्हारी सन्तान के लिए + उन सब के लिए है जो दूर हैं।

D. इफिसियों 1:13 और उसी में तुम पर भी जब तुम ने सत्य का वचन सुना, जो तुम्हारे उद्धार का सुसमाचार है, और जिस पर तुम ने विश्वास किया, प्रतिज्ञा किए हुए पवित्र आत्मा की छाप लगी। (14) वह उसके मोल लिए हुओं के छुटकारे के लिये हमारी विरासत का बयाना है, कि उसकी महिमा की स्तुति हो।

तुम उस प्रतिज्ञा के पवित्र आत्मा के द्वारा मुहरबन्द किए गए --> जो हमारे मीरास का बयाना है।

E. 2 कुरिन्थियों 1:22 जिसने हम पर छाप भी कर दी है और बयाने में आत्मा को हमारे मनों में दिया।

हमें मुहरबंद किया है + हमारे हृदयों में आत्मा का बयाना दिया है।

समापन

इफिसियों 4:30 परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। (इफि. 1:13,14, यशा. 63:10)

परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो --> जिससे तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है। (इफि. 1:13,14, यशा. 63:10.

(मेरे व्यक्तिगत विचार — पवित्र आत्मा कुछ चुने हुए लोगों के लिए इनाम नहीं है। वह उन पर राजा की मुहर है जो उसके अपने हैं, और वह बयाना है — विरासत का वह पहला भाग जो पहले ही अदा कर दिया गया है — कि तुम उसी के हो, उस छुटकारे के दिन तक। इसलिए प्रश्न स्पष्ट रूप से खड़ा है, और इसे पूछा ही जाना चाहिए: क्या तुमने पवित्र आत्मा को प्राप्त किया है? क्योंकि वचन स्पष्ट रूप से कहता है: जिसके पास मसीह की आत्मा नहीं, वह उसका नहीं है। बिना मुहर के पत्र राजा का पत्र नहीं होता। बिना आत्मा वाला व्यक्ति अभी तक मसीह का नहीं है। उसे तब तक ढूँढ़ो जब तक तुम उसे पा न लो।)

अभ्यास प्रश्नोत्तरी

1. अब यह सुनकर उन के मन में चोट लगी, और उन्होंने कहा —

a) तू क्यों देर करता है?
b) पुरुषों और भाइयों, हम क्या करें?
c) हे सज्जनों, उद्धार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिए?

2. पश्चाताप करो, और तुम में से हर एक यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले —

a) पापों की क्षमा
b) एक अच्छी अंतरात्मा का उत्तर
c) मोल ली हुई संपत्ति के छुटकारे

3. वह काँपता हुआ आया, और कहा, हे साहबो, उद्धार पाने के लिये मुझे क्या करना चाहिए? उन्होंने कहा, प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर। और रात की उसी घड़ी वह —

a) छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद किया गया था
b) यरदन में सात बार डुबकी लगाई
c) उसने और उसके सब लोगों ने तुरन्त बपतिस्मा लिया

4. नामान ने यरदन में सात बार डुबकी लगाई, और उसका मांस फिर आ गया —

a) जब विश्रान्ति के दिन आएं
b) एक छोटे बालक के मांस के समान, और वह शुद्ध हो गया
c) नये जन्म के स्नान के द्वारा

5. इसलिये मन फिराओ, और लौट आओ —

a) जिससे तुम्हारे पाप मिट जाएं
b) तुम सब भी वैसे ही नाश होगे
c) संसार का शोक मृत्यु उत्पन्न करता है

6. यदि किसी में मसीह का आत्मा न हो —

a) वह छुटकारे के दिन के लिए मुहरबंद है
b) वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता
c) वह उसका नहीं है

7. जो हम से प्रेम रखता है, और जिसने हमें हमारे पापों से धो दिया —

a) यरदन के जल में
b) अपने ही लोहू से
c) परमेश्वर के वचन से

उत्तर कुंजी: 1-b · 2-a · 3-c · 4-b · 5-a · 6-c · 7-b

यह अध्ययन कैसे शाखाओं में विभाजित होता है

बगल की राह — गलातियों 3:27 ("मसीह में बपतिस्मा लिया") अब्राहम के वंश की ओर खोलता है: "और यदि तुम मसीह के हो, तो अब्राहम के वंश और प्रतिज्ञा के अनुसार वारिस भी हो" (गलातियों 3:29)।

बगल की राह — इफिसियों 1:14 ("आत्मा का बयाना") मोल ली हुई मिलकियत के छुटकारे की ओर खोलता है — अर्थात मीरास की ओर, और उस दिन की ओर जब बयाना पूरी तरह चुका दिया जाएगा।

ग्रीक मुख्य शब्द

“विश्वास करना” — **G4100 pisteuo** — विश्वास करना; भरोसा करना; समर्पित करना
प्रभु यीशु मसीह पर विश्वास कर, तो तू उद्धार पाएगा — हृदय में विश्वास, किसी भी कदम के उठाए जाने से पहले।

“अंगीकार करना” — **G3670 homologeo** — वही बात कहना; खुलकर स्वीकार करना
मुख से अंगीकार करने से उद्धार होता है।

“पश्चाताप करना” — **G3340 metanoeo** — मन को फिराना; पश्चाताप करना
वह मुड़ना जो इसका आरंभ करता है — केवल शोक नहीं, परन्तु परमेश्वर की ओर एक नया किया हुआ मन।

“बपतिस्मा लेना” — **G907 baptizo** — पानी में डुबाना; जल में गाड़ना और फिर उठाना
आज्ञाकारिता का पहला कार्य: उसके साथ गाड़े जाना, और जीवन की नवीनता में चलने के लिए उठाया जाना।

“धोया गया” — **G3068 louo** — स्नान करना; पूरे शरीर को धोना
हमें अपने ही लोहू से हमारे पापों से धो दिया।

“क्षमा” — **G859 aphesis** — भेज देना; छोड़ देना; क्षमा करना
पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम पर बपतिस्मा लेना — जो पाप बीत चुके हैं, उन्हें दूर भेज दिया जाना।

“जन्म” — **G1080 gennao** — जन्म देना; जन्म लेना
जब तक कोई जल और आत्मा से न जन्मे, वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।

“अनुग्रह” — **G5485 charis** — अनुग्रह; एक मुफ्त वरदान
क्योंकि अनुग्रह से विश्वास के द्वारा तुम्हारा उद्धार हुआ है — यह परमेश्वर का दान है।

हिब्रू मुख्य शब्द

“विश्वास किया” — **H539 aman** — भरोसा करना; दृढ़ होना; विश्वासयोग्य होना — शब्द "आमीन" का मूल
उस ने यहोवा की प्रतीति की; और उसने इसे उसके लिये धार्मिकता गिनी।

“शुद्ध” — **H2891 taher** — स्वच्छ होना; शुद्ध होना
धोओ, और शुद्ध हो जाओ — नामान का शरीर फिर से एक छोटे बालक के शरीर के समान हो गया।

“चंगा किया गया” — **H7495 rapha** — चंगा करना; पूर्ण बनाना
उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।

SOURCES & CREDITS

Scripture: Hindi Indian Revised Version Bible (CC BY-SA 4.0) — a redistributable edition, looked up exactly and never machine-translated.
Alternate chapter/verse numbering reconciled with STEPBible TVTMS (CC BY 4.0).
Strong's numbering & original-language data: OpenScriptures Hebrew Bible (CC BY 4.0); STEPBible.org — TAHOT/TAGNT/TBESH/TBESG (CC BY 4.0); Robinson-Pierpont Byzantine Majority Text (Public Domain); Strong's dictionary, 1890 (Public Domain).
Typography: Google Noto fonts (SIL Open Font License 1.1).
© SEE MORE JESUS · wanttoseemore.com — shared under Creative Commons Attribution 4.0 (CC BY 4.0).